Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Course	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Certificate in Multidiscplinary Study			
Programme:- Certificate course in Sanskrit		Year: I	Semester: II Paper- DSC I
Course Code: DSC 02	Course Title: **संस्कृत महाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक**		

Course Outcomes:अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे।
3. विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य मे प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
4. संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तिों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होंगा।
5. संस्कृत नाटक के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।
6. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

Unit	Topic
Unit I	रघुवंशम्–कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग– 01 से 40 श्लोक पर्यन्त– सस्कृत महाकाव्य का सामान्य परिचय, महाकवि कालिदास का परिचय, रचनाएं, रघुवंशपरिचय, श्लोकों की व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit II	छन्द परिचय–लक्षण एवं उदाहरण–अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शादूर्लविक्रीडित, मालिनी, भुजङ्गप्रयात एवं मन्दाक्रान्ता। अलंकार परिचय–(शब्दालंकार एवं अर्थलंकार)लक्षण एवं उदाहरण सहित–शब्दालंकार–अनुप्रास, श्लेष, यमक। अर्थलंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति।
Unit III	अभिज्ञानशाकुन्तलम्–कालिदासकृत, चतुर्थ अंक–श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit IV	नाट्यसाहित्य का सामान्य परिचय एवं नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली (दशरूपक के आधार पर)– नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक, जनान्तिक, अपवारित, स्वगतकथन, एवं भरतवाक्य।

Suggested Reading:

1–रघुवंशम् महाकाव्यम्–सम्पा0 महावीर शास्त्री–प्रकाशन साहित्यभण्डार,सुभाष बाजार,मेरठ–250002।

3– अलंकारशास्त्र का इतिहास–डॉ0 कृष्ण कुमार।

4– वृत्तरत्नाकर–पं0 केदारभट्ट–व्याख्या प0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

6– छन्दोऽलंकार परिचय–डॉ0 लज्जा भट्ट, लक्ष्मी प्रकाशन।

7–छन्द एवं अलंकार ज्ञान–डॉ0 शालिमा तबस्सुम, ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल।

8– अभिज्ञानशाकुन्तलम्–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, साहित्य संस्थान इलाहाबाद।

10– संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, ज्ञान प्रकाशन भदौही।

11– संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

13– संस्कृत नाटक–ए.बी. कीथ।

Department Of Sanskrit, Soban Singh Jeena University, Almora

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
General Electives	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Certificate in Multidiscplinary Study			
Programme:- Certificate course in Sanskrit		Year: I	Semester:II Paper- GE II
Course Code: GE 02	Course Title: **श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे।
2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. मानवजीवन में ज्ञान के महत्त्व को आत्मसात करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी कर्मयोग में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	Topic
Unit I	महाभारत का संक्षिप्त परिचय।
Unit II	श्रीमद्भगवद्गीता के अध्यायों का संक्षिप्त परिचय।
Unit III	कर्मयोग का परिचय– तृतीय अध्याय के अन्तर्गत कर्मयोग ।
Unit IV	श्रीमद्भगवद्गीता के तृतीय अध्याय के अन्तर्गत कर्मयोग की उपयोगिता।

Suggested Reading:

1. श्रीमद्भगवद्गीता–गीता प्रेस गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता– स्वामी अपूर्वानन्द,रामकृष्ण मठ नागपुर।
4. श्रीमद्भगवद्गीता–डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
5. गीताविज्ञानभाष्यम्–डॉ0 रामप्रकाश सारस्वत, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
6. गीतारहस्य भूमिका–पं0 बालगंगाधर तिलक, आनन्दाश्रम पूना।